भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2647

उत्तर देने की तारीख 09 मार्च, 2026

सोमवार, 18 फाल्गुन, 1947 (शक)

पीएम-दक्ष के अंतर्गत कौशल विकास

2647. श्री राव राजेन्द्र सिंहः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता सम्पन्न हितग्राही योजना (पीएम-दक्ष) जैसी योजनाओं के अंतर्गत कौशल विकास कार्यक्रमों को बाजार की मांग के अनुरूप बनाया है, यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस बात का आकलन किया है कि उसकी कौशल विकास, उद्यमिता और पुनर्वास योजनाओं ने अल्पकालिक राहत प्रदान करने के बजाय स्थायी आजीविका में कितना योगदान दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या लाभार्थियों की रोजगार स्थिरता, आय वृद्धि और सामाजिक गतिशीलता जैसे दीर्घकालिक परिणामों संबंधी कोई सांख्यिकीय निगरानी या मूल्यांकन विद्यमान है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही (पीएम-दक्ष) योजना के अंतर्गत, सूचीबद्ध प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं, जिसमें मांग, व्यवहार्य बैच आकार, भौगोलिक स्थितियों आदि जैसे कारकों पर विचार किया जाता है।

(ख) और (ग) जी हाँ, पीएम-दक्ष योजना के मूल्यांकन अध्ययन से इसकी महत्वपूर्ण प्रासंगिकता और अधिगम की प्रभावशीलता प्रकट होती है, जिसमें 90% से अधिक लाभार्थियों ने प्रशिक्षण को अपने करियर लक्ष्यों, स्थानीय श्रम बाजार की आवश्यकताओं और अपेक्षित अधिगम परिणामों की प्राप्ति के अनुरूप बताया है। प्रभाव परिणामों से विशेष रूप से महिलाओं और हाशिए पर आने वाले समूहों में आत्मविश्वास, आत्म-सम्मान और सामाजिक मान्यता में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण गैर-भौतिक लाभों का संकेत मिलता है, । स्थिरता के परिणाम काफी हद तक सकारात्मक हैं, अधिकांश लाभार्थी अर्जित कौशलों का उपयोग जारी रखते हैं, दीर्घकालिक आय वृद्धि की उम्मीद करते हैं, विकास में पुनर्निवेश करते हैं और स्वतंत्र रूप से सुधारों को बनाए रखने में सक्षम महसूस करते हैं।

*****